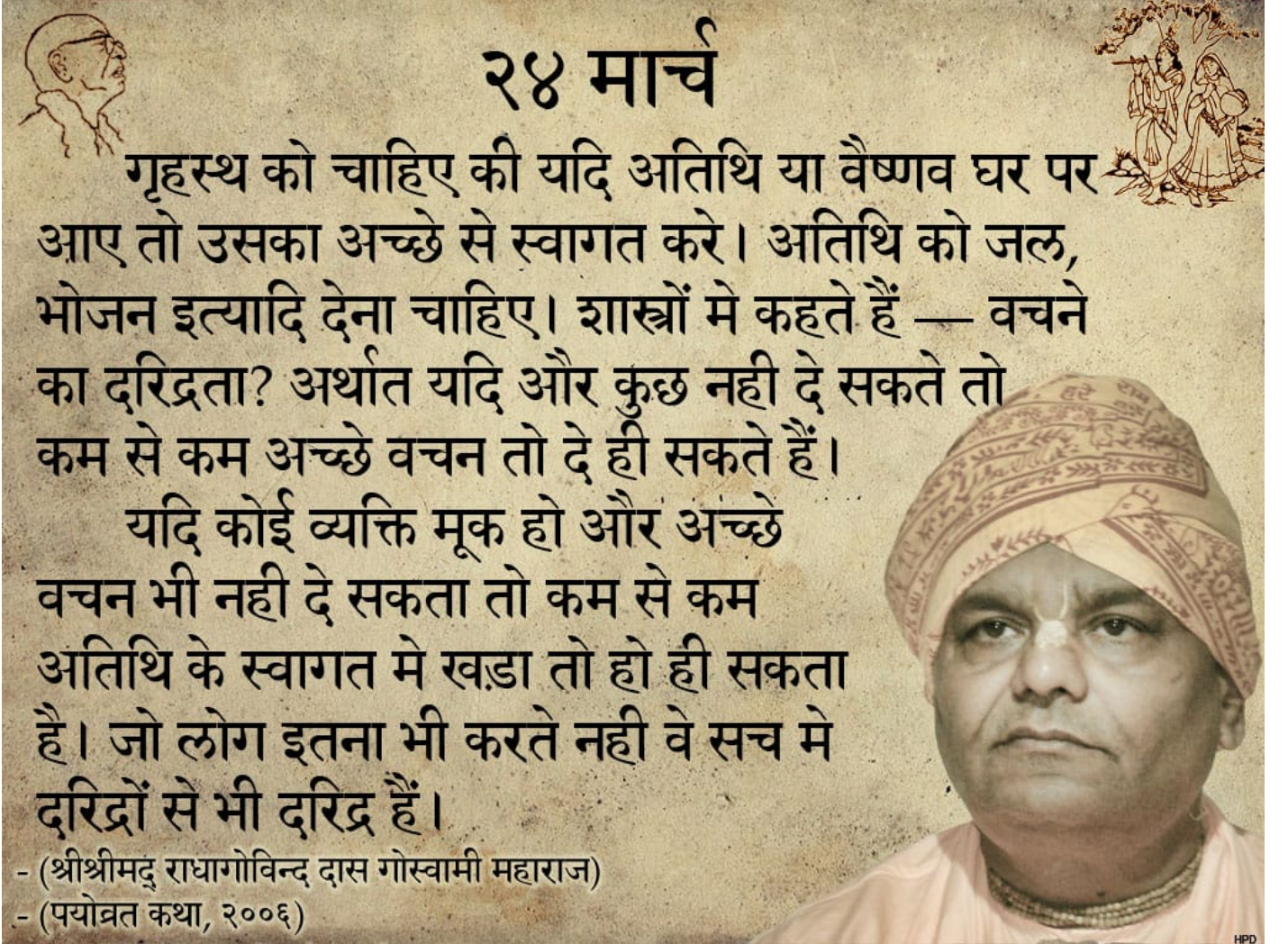


# Quotes



**२४ मार्च**

गृहस्थ को चाहिए की यदि अतिथि या वैष्णव घर पर आए तो उसका अच्छे से स्वागत करे। अतिथि को जल, भोजन इत्यादि देना चाहिए। शास्त्रों में कहते हैं — वचने का दरिद्रता? अर्थात् यदि और कुछ नहीं दे सकते तो कम से कम अच्छे वचन तो दे ही सकते हैं।

यदि कोई व्यक्ति मूक हो और अच्छे वचन भी नहीं दे सकता तो कम से कम अतिथि के स्वागत में खड़ा तो हो ही सकता है। जो लोग इतना भी करते नहीं वे सच में दरिद्रों से भी दरिद्र हैं।

- (श्रीश्रीमद् राधागोविन्द दास गोस्वामी महाराज)  
- (पयोव्रत कथा, २००६)

Revision #1

Created 24 April 2025 08:23:40 by Vijay Gopi Keshav das

Updated 24 April 2025 08:23:46 by Vijay Gopi Keshav das